

न ये यावा तरति यातुमावान् RV. 7, 1, 5. gehend, fahrend am Ende eines comp.; s. अद्वा०, अय०, एक०, एव०, देव०, पुरो०, पूर्व०, प्रातर्थावन्, शुभं०, प्रुध०, स०, सायं०.

2. यावन् in ऋण० nach Śā. von 3. यु; s. daselbst.

3. यावन् so v. a. 2. यव in अयावन् TS. 5, 6, 4, 1.

1. यावन (von 1. यवन) 1) adj. im Lande der Java geboren Pañjaccittend. 20, a, 3, 37, a, 1. — 2) m. Weithrauch AK. 2, 6, 3, 30. H. 648, Sch.

2. यावन (vom caus. von 2. यु) n. das Verbinden, Vermengen: ऋ० (= अग्निश्रणा Comm.) RV. Pañt. 11, 12.

3. यावन (vom caus. von 3. यु) n. das Entfernen: भयानाम् Nir. 4, 21. — Vgl. शयय०.

यावनाल 1) m. = यवनाल Riān. im CKDr. Schol. zu Kātj. Ça. 422, 12. Vgl. कषाय०, तुवर०, धवल०. — 2) f. ई aus Javanāla gewonnener Zucker Riān. im CKDr.

यावनालनिभ m. eine dem Javanāla ähnliche (निभ) Rohrrart Riān. im CKDr. u. यावनालशर.

यावनालशर m. = यावनालनिभ Riān. im CKDr.

यौवत् (von 1. य) 1) adj. wie (rel.) gross, wie weit reichend, wie lange dauernd, wie viel P. 5, 2, 39. 6, 3, 91. Vop. 7, 94. यावत्तैरो मधवन्यावदेतो वज्रैण शत्रुमवधी: RV. 1, 33, 12. 7, 91, 4. यदिन्द्र यावत्स्वमेतावदृद्धमीशीय 32, 18. 79, 4. यावदिन्द्रं भुवं न विश्वमस्ति 1, 108, 2. AV. 3, 22, 4. यावतो ग्या-वापृथिवी वरिष्णा 4, 6, 2. 6, 72, 2. यावत्तः सप्ततानाम् 7, 13, 2. 12, 1, 33. 3, 36. 14, 2, 49. यावत्तः — तेभ्यः सर्वेभ्यः Ait. Br. 1, 5. यावदलोहितं ताव-त्परिवासय 2, 14. 6, 9. Çat. Br. 1, 2, 5, 13. 13, 2, 3, 11. 14, 1, 4, 18. Kātj. Ça. 3, 2, 8. Lātj. 1, 8, 2. Āçv. Gṛh. 2, 4, 6. 4, 1, 9. 6, 4. यावान्यश्चास्मि Bhāg. 18, 55. Bhāg. P. 2, 9, 31. यावती संभवेद्वृद्धिस्तावतीं दातुमर्हति M. 8, 155. 194. यावत्त्व विषयं राज्ञ्यावांस्तव वशे स्थितः MBh. 14, 889. Bhāg. P. 3, 23, 43. 7, 14, 38. यावान्पक्षिणाः R. 3, 33, 49. 4, 19, 5. यावानश्रः Bhāg. 2, 46. यावच्छस्यं विनश्येत् Jāśn. 2, 161. यावच्च कुर्यादन्यो ऽस्य कुर्याद्दु-गुणं ततः Spr. 3843. पित्र्येणार्थेन यावता Bhāg. P. 6, 1, 64. तावन्मात्रं प्र-कुर्वन्ति यावता प्राणधारणम् Hariv. 1204. प्रयोजनं यस्य तु यावता स्यात् Verz. d. Oxf. H. 193, a, 3. काले यावति Mārk. P. 43, 41. यावता क्षणेन Riān-Tar. 3, 110. आत्मावगमो ऽत्र यावान् Bhāg. P. 4, 18, 23. यावत्तः quot M. 3, 124. 133. 176. 178. 4, 168. 3, 38. MBh. 2, 603. R. Gorr. 2, 33, 7. Spr. 2480. 4883. Ragh. 12, 45. Bhāg. P. 3, 30, 35. 4, 25, 12. यावानेव पुरुषः aus wie vielen Theilen bestehend, wie vielfach Ait. Br. 6, 29. TS. 5, 1, 6, 1. TBr. 1, 1, 5, 3. Bhāg. P. 2, 8, 3. RV. Pañt. 18, 21. यावत्तावथै प्रथमं सं-मेयथुः wie viele Jahre zählend AV. 12, 3, 1. यावत्सननं तावन्मरणम् wie oft sich wiederholend Spr. 4876. सा च मे यावती त्यक्ता विशालनृपतेः सु-ता qualis Mārk. P. 127, 29. आश्चर्यं यावत् Saddh. P. 4, 14, a. अधिकारः प्रस्तावः प्रारम्भ इति यावत् so viel als Sarvadarśanas. 133, 10. 180, 10. Schol. zu Āim. 1, 1, 5. 2, 16. प्रविश्य विज्ञाते यावच्चर्म दारु च nichts als Haut und Holz Pañkāt. ed. orn. I, 89. यावत्तावत् wie viel immer, Bez. einer unbestimmten Zahl Colebr. Alg. 139. 228. यावत्तः कियत्तः wie viele immer: यावतीः कियतीश्च प्रजा वाचं वदन्ति तासां सर्वासां सूपते TBr. 2, 7, 5, 1. यावत् am Anfange eines comp.: यावदेवत्यं Çat. Br. 1, 2, 4, 22. यावद्दहीतिन् Lātj. 3, 2, 6. Kusum. 26, 9. — 2) यावत् indecl. Einfluss auf den Ton des verbi finiti P. 8, 1, 36. figg. साकल्ये कात्स्न्ये ऽवधौ माने

ऽवधारणे AK. 3, 4, 33 (28), 8. H. an. 7, 23. कात्स्न्ये ऽवधारणे ॥ प्रशंसाया परिच्छेदे मानाधिकारसंभवे । पत्तात्तरे च Med. avj. 31. fig. a) wie weit, wie sehr, wie viel, in welcher Menge, — Anzahl: यावद्वावापृथिवी तावदि-त्तत् RV. 10, 114, 8. AV. 3, 22, 5. 5, 22, 5. यावदस्य वशः स्यात् Çat. Br. 1, 3, 5, 14. 5, 1, 5, 13. Ait. Br. 1, 13. यावदेवायं विश्वस्त्रिर्विक्रमेत ता-वदस्माकम् 6, 13. TBr. 2, 1, 44, 1. यावत्पुरुष उर्धवाङ्गस्तावदग्निश्चितः Kauç. 83. यावन्नामो गतम् Kāñd. Up. 7, 1, 5. यावद्भूम्यं गतं तया MBh. 3, 16767. यावत्प्रपश्यति 13, 4287. परिनिपसि दण्डेन यावत्तावद्वाप्स्यसि R. 2, 32, 25. R. Gorr. 2, 34, 31. यावत्सूर्य उदेति स्म यावच्च प्रतिष्ठति so v. a. von da, wo die Sonne aufgeht, bis dahin, wo sie untergeht, Bhāg. P. 9, 6, 37. 5, 16, 1. 24, 5. 8, 21, 30. जीव शरदो यावदिच्छसि Kāthop. 1, 23. यावदिच्छसि रत्नानि क्षिण्यं वा तावद्दामि ते सर्वम् R. 1, 33, 21. R. Gorr. 2, 32, 18. 41. यावत्स्वलोमसंख्यास्ति Spr. 2481. यो यावन्निकृवीतार्थम् in welchem Betrage M. 8, 59. wie oft Bhāg. 13, 26. पूर्व यावत्समुद्यतः in welchem Maasse Riān-Tar. 3, 453. यावदेवदत्तः पचति शोभनम् als Aus- ruf P. 8, 1, 37. Sch. Kāç. zu 36. — b) wie lange, während: यावद्दे तुद्यवा भवामः Çat. Br. 1, 8, 4, 3. यावत्सूर्या अस्तद्दिवि AV. 6, 73, 3. 5, 19, 4. TBr. 3, 3, 9, 5. यावच्चामिं क्रूरे प्राणो वसति Kauç. Up. 3, 2. M. 3, 237. 4, 111. R. 1, 31, 8. 2, 42, 2. 3, 73, 4. Spr. 1024. 4877. 4879. Riān-Tar. 3, 36. या-वत्तयस्ते ङीवियुः M. 2, 235. Bhāg. P. 1, 13, 47. यावच्च मे धरिष्यति प्राणाः MBh. 3, 2222. 16835. R. 1, 2, 39. 60, 28. यावत्तु निर्यतस्तस्य रजोत्पमद-श्यत 2, 42, 1. Kathās. 3, 63. 4, 34. Riān-Tar. 3, 253. 340. यावदेव तु सं-सुताः R. 2, 46, 21. यावदध्ययनम् M. 2, 241. यावद्वोचनगोचरा Spr. 1028. 2482. 2483. 4878. 4882. यावदिन्द्राश्चतुर्दश (so ist zu lesen) Mārk. P. 100, 44. यावद्वत्तिपायनमहानि वर्धते यावदुदगयनं रात्रयः Bhāg. P. 5, 21, 6. 7, 12, 10. — c) mittlerweile, inzwischen; mit der 1ten Person praes. als Ankündigung eines Vorhabens Bhāg. 1, 22. MBh. 3, 12213. 4, 1641. 3, 7016. नियुङ्क्त माम् — बलं द्र्यं च यावद्दि नाशयामि डुरात्मनः so v. a. ich gedenke zu Nichte zu machen R. Gorr. 1, 33, 16. 5, 9, 30. Çāk. 8, 10. 16. 22. 9, 4. 31, 6. 32, 13. 33, 1. 39, 5. 61, 1. Vikr. 3, 12. 38, 5. 78, 11. Kathās. 3, 34. 33, 36. 124, 98. potent. st. praes. Çāk. 18, 22 (v. l. praes.). 104, 22, v. l. Bei der 3ten Person steht der imper.: अनुगृह्णीष क्वान् — वार्षेयो यावदेतं मे पटमानयतामिह MBh. 3, 2811. Kathās. 39, 61. — d) sobald als, im Augenblick als; mit praes. Çāk. 139. Megh. 103. Kathās. 18, 363. 39, 119. 53, 126. Pañkāt. 48, 24. 173, 18. I, 123. Hit. 12, 1. 43, 21. 83, 9. Vet. in LA. (III) 3, 15. 18, 4. 20, 8. 28, 8. Çuk. ebend. 36, 4. mit potent. Spr. 2908. mit porf. Kathās. 18, 149. 172. 182. mit aor. 13, 105. ohne verbum fini- tum: यावत्कैचिद्वता तावन्निरुद्धा सा पुरोधसा 4, 36. 32, 46. Pañkāt. 63, 1. ज्ञाता नोत्कालिका स्तनी न लुलिति u. s. w. सकसा यावच्छेनामुना । द-छेनैव मनो कृतम् — मे es war noch keine Sehnsucht da, der Busen wogte noch nicht, als jener Bösewicht, nur erblickt, mir plötzlich schon das Herz entwandte, Spr. 962. यावत् mit यदा sobald als: यावत्क्लाममिदं भस्म गङ्गा लोकाकाशया । यदेषा भविता तात स्वर्गमिष्यति वै तदा ॥ R. Gorr. 1, 43, 20. — e) bis dass; mit praes. st. fut. P. 3, 3, 4. Vop. 23, 3. R. 2, 32, 16. 3, 26, 4. 49, 13. Megh. 33. Çāk. 8, 13. 101, 11. Vikr. 13. Spr. 1338. 4123. Kathās. 16, 22. 38. 18, 167. Pañkāt. 76, 22. Vet. in LA. (III) 8, 3. mit potent.: यावद्भूपुनेतो भूय इच्छाम इति Lātj. 9, 11, 2. M. 8, 27. 11, 233. R. Gorr. 2, 8, 58. Spr. 4140. Daçak. in Benf. Chr. 193, 1. mit